गद्य खण्ड

पाठ - 3

PAGE NO.: 1
DATE: / /

एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा

(मौखिक प्रश्न)

(क) प्रश्नों के उत्तर एक / दो पंक्तियों मे -

प्रश्न1- अग्रिम दल का नेतृत्व कौन कर रहा था ?
उत्तर अग्रिम दल का नेतृत्व प्रेमचन्द्र कर रहे थे।

2. लेखिका को 'सागरमाथा' नाम क्यों अच्छा लगा ?
उत्तर ऊँचाई का माप समुद्र तल से किया जाता है। दुनिया का सबसे ऊँचा शिखर होने के कारण एवरेस्ट को 'सागरमाथा' कहा जाता है। इसलिए लेखिका को यह नाम अच्छा लगा।

3. लेखिका को ध्वज जैसा क्या लगा ?
उत्तर लेखिका को एवरेस्ट पर बर्फ का एक बड़ा फूल ध्वज जैसा लगा।

4- हिमस्खलन में कितने लोगो की मृत्यु हुई और कितने घायल हुए ?
उत्तर- हिमस्खलन में एक की मृत्यु हो गई और चार लोग घायल हो गये।

5- रसोई सहायक की मृत्यु कैसे हुई ?
उत्तर रसोई सहायक की मृत्यु जलवायु अनुकूल न होने के कारण हुई।

6- कैंप चार कहाँ और कब लगाया गया ?
कैंप चार साउथ कोल 29 अप्रैल को 7900 मीटर की ऊँचाई पर लगाया गया।

Scanned by CamScanner

प्रश्न 7 लेखिका ने शेरपा कुली को अपना परिचय किस तरह दिया ?

उत्तर - लेखिका ने शेरपा कुली को अपना परिचय यह कहकर दिया कि वह बिल्कुल ही नौसिखिया है, और एवरेस्ट उसका पहला अभियान है।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25/30 शब्दों में -

प्रश्न 1- नजदीक से एवरेस्ट को देखकर लेखिका को कैसा लगा ?

उत्तर - नजदीक से एवरेस्ट को देखकर टेढ़ी - मेढ़ी चोटियाँ ऐसी लग रही थी, मानो कोई बर्फीली नदी बह रही हो। लेखिका इस दृश्य को देखकर भौचक्की रह गई।

प्रश्न 2- डॉ० मीनू मेहता ने क्या जानकारियाँ दी ?

उत्तर- डॉ० मीनू मेहता ने उन्हें कई जानकारी दी।

1- अल्यूमिनियम की सीढ़ियों से अस्थाई पुलों का बनाना।

2. लट्ठे और रस्सियों का प्रयोग करना।

3. बर्फ की आड़ी - तिरछी दीवारों पर रस्सियों को बांधना।

4- अग्रिम दल के कार्यों के बारे में जानकारी दी।

प्रश्न 3. तेनजिंग ने लेखिका की तारीफ में क्या कहा?

उत्तर- तेनजिंग ने लेखिका की तारीफ में कहा कि

Scanned by CamScanner

"वह तो पक्की पर्वतीय लड़की है उसे तो पहले प्रयास में पहुँच जाना चाहिए।" इस प्रकार उन्होंने लेखिका का हौसला बढ़ाया।

प्रश्न 4- लेखिका को किनके साथ चढ़ाई करनी थी?

उत्तर - लेखिका के अभियान-दल में यों तो लोपसांग, तशरिंग, एन० डी० शेरपा आदि अनेक सदस्य थे किन्तु उन्हें जिन साथियों के संग यात्रा करनी थी, वे थे की, जय और मीनू।

प्रश्न 5- लोपसांग ने तंबू का रास्ता कैसे साफ किया?

उत्तर - लोपसांग ने अपनी स्विस छुरी की सहायता से तंबू का रास्ता साफ किया। उसने बड़े-बड़े हिमपिंडों को सामने से हटाया तथा चारों तरफ फैली कठोर बर्फ की खुदाई की तब जाकर बाहर निकलने का रास्ता साफ हो सका।

प्रश्न 6- साउथ कोल पहुँचकर लेखिका अगले दिन की महत्वपूर्ण चढ़ाई की तैयारी कैसे शुरू की?

उत्तर- 'साउथ कोल' कैंप पहुँचकर लेखिका ने अगले दिन चढ़ाई की तैयारी शुरू की। उसने खाना, कुकिंग गैस तथा ऑक्सीजन सिलेंडर इकट्ठे किए। उसके बाद वह चाय बनाने की तैयारी करने लगी।

Scanned by CamScanner

(ग) प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में :-

प्रश्न1- उपनेता प्रेमचन्द्र ने किन स्थितियों से अवगत कराया ?

उत्तर- उपनेता प्रेमचन्द्र ने लेखिका को हिमपात के खतरों से अवगत कराया। उसने बताया कि उनके अग्रिम दल ने कैंप एक तक का रास्ता साफ कर दिया है। यह कैंप हिमपात के ठीक ऊपर है। पुल बनाकर रस्सियाँ बाँधकर तथा झंडियों से रास्ता चिह्नित कर दिया गया है। परन्तु हिमपात अनियमित और अनिश्चित होता है। परन्तु बीच में पड़ने वाली ग्लेशियर की नदी का रास्ता बना दिया गया है किन्तु हिमपात और अधिक हो गया तो रास्ता बनाने का काम फिर से करना पड़ सकता है। और उसे खोलना पड़ सकता है तथा इन सभी कठिनाइयों को देखकर और हिमपात के होने वाले बदलाव के बारे में उन्होंने अवगत कराया।

प्रश्न2. हिमपात किस तरह का होता है और उससे क्या-क्या परिवर्तन आते हैं ?

उत्तर- बर्फ के खण्डों का अव्यवस्थित ढंग से गिरना ही हिमपात कहलाता है। ग्लेशियर के बहने से बर्फ में हलचल मच जाती है। ग्लेशियर बर्फ की नदी होती है हिमपात से मौसम में अनियमित और अनिश्चित बदलाव आता है तथा रास्ते बंद हो जाते हैं। इस कारण बर्फ की बड़ी-बड़ी चट्टानें तत्काल गिर जाती हैं। इस अवसर

Scanned by CamScanner

पर स्थिति ऐसी खतरनाक हो जाती है कि धरातल पर दरार पड़ने की संभावना बढ़ जाती अक्सर बर्फ में गहरी-चौड़ी दरारें बन जाती है। हिमपात से पर्वतारोहियों की कठिनाइयाँ बहुत अधिक बढ़ जाती हैं।

प्रश्न 3. लेखिका को देखकर 'की' हक्का-बक्का' क्यों रह गया?

उत्तर. 'जय' बचेंद्री पाल' का पर्वतारोही साथी था। उसे भी बचेंद्री के साथ पर्वत शिखर पर जाना था। शिखर कैंप पर पहुँचने में उसे देर हो गयी थी। वह सामान ढोने के कारण पीछे रह गया था। अतः बचेंद्री उनके लिए चाय, जूस आदि लेकर उसे रस्ते में लेने के लिए पहुँची। जय को यह कल्पना नहीं थी कि बचेंद्री उसकी चिंता करेगी और अपने साथ ले जाने के लिए आयेगी। बर्फीले मौसम में कैंप से बाहर निकलकर कई फुट नीचे उतरना और नीचे उतरकर अपने साथीयों को चाय देना। लेखिका ने इसके लिए अपनी जान को जोखिम में डाला था। और जब उसने बचेंद्री पाल को चाय जूस लेकर आया देखा तो वह हक्का-बक्का रह गया है।

प्रश्न 4. चढ़ाई के समय एवरेस्ट की चोटी की स्थिति कैसी थी?

उत्तर- चढ़ाई के समय एवरेस्ट की चोटी की स्थिति बहुत ही डरावनी और संकरी थी। एवरेस्ट शंकु की चोटी पर इतनी जगह नहीं थी कि

Scanned by CamScanner

दो व्यक्ति साथ-साथ खड़े-खड़े हो सकें। जब बचेंद्री पाल एवरेस्ट की चोटी पर पहुँची तो वहाँ चारों ओर तेज हवा के कारण बर्फ उड़ रही थी। बर्फ इतनी अधिक थी कि सामने कुछ नहीं दिखाई दे रहा था। पर्वत की शंकु चोटी से नीचे हजारों मीटर तक ढलान-ही ढलान थी। अतः वहाँ अपने आपको स्थिर खड़ा करना बहुत कठिन था। उन्होंने बर्फ के फावड़े से बर्फ तोड़कर अपने टिकने योग्य स्थान बनाया।

प्रश्न 5. सम्मिलित अभियान में सहयोग एवं सहायता की भावना का परिचय बचेंद्री के किस कार्य से मिलता है?

उत्तर- सम्मिलित अभियान में आपसी सहायता और सहयोग से ही कार्य सम्पन्न करने होते हैं। बचेंद्री पाल ने अपने व्यवहार से इस सहयोग भावना का परिचय दिया। उसने देखा कि अभी उसके साथी की, जय और मीनू कैंप तक नहीं पहुँचे तो वह उनके लिए चाय और जूस बनाकर रास्ते में जा पहुँची। उस खतरनाक रास्ते पर जाना कठिन तथा खतरनाक था। फिर भी बचेंद्री पाल ने यह खतरा उठाया। उसने 'की' और 'जय' को रास्ते में जाकर पेय पदार्थ पिलाया। तब हमें बचेंद्री के सहयोग और सहायता की भावना का परिचय मिला दल के दूसरे सदस्यों का सहयोग करने के लिए उसने बर्फीले तूफान की भी परवाह नहीं की। और उसने अपनी जान को जोखिम में उठाया।

Scanned by CamScanner

(घ) प्रश्नों के उत्तर 80-100 शब्दों में -

प्रश्न 1- लेखिका के तंबू में गिरे बर्फ पिंड का वर्णन किस तरह किया गया है?

उत्तर- लेखिका के तंबू में गिरे बर्फ पिंड का वर्णन बहुत ही प्रभावकारी और विस्मय ढंग से किया गया है। गहरी नींद मे सोई लेखिका धमाके की आवाज सुनकर जाग जाती है। इसी समय उसे अपने शरीर पर एक भारी ठंडी चीज का एहसास होता है। उसकी समझ में कुछ नहीं आता है। यह उसके विस्मय का कारण है उसे इस घटना की भयावहता का पता चलता है।
लेखिका के तंबू में गिरा बर्फ का पिंड बहुत ही भयानक था। वह ल्होत्से ग्लेशियर से टूटकर नीचे गिरा था। उसके कारण एक विशाल हिमपुंज का निर्माण हो गया था। यह हिमपिंड अपने में अनेक बड़े-बड़े हिमखण्डों को समाए हुए था। यह विशाल हिमखण्ड एक्सप्रेस रेलगाड़ी की तेज गति और भयंकर आवाज के साथ ढलान से नीचे आया था। इसके कारण पर्वतारोहियों का कैंप पूरी तरह तहस-नहस हो गया। आश्चर्य की बात यह रही कि चोट सभी को लगी किन्तु मरा कोई नहीं।

प्रश्न 2- एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए कुल कितने कैंप बनाए गए थे? उनका वर्णन कीजिए -

उत्तर- एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए कुल 7 कैंप बनाए गये थे।

Scanned by CamScanner

1. बेस कैंप - बेस कैंप काठमाण्डु में शेरपालैंड में लगाया गया था। पर्वतीय दल के नेता कर्नल खुल्लर से परिचय हुआ।

2. कैंप एक - यह हिमपात से ऊपर 6000 मीटर की ऊँचाई पर था। यहाँ हिमपात से सामान उठाकर कैंप तक लाए जाने का अभ्यास भी किया गया।

3. कैंप दो - 16 मई को प्रातः सभी इस कैंप पर पहुँचे घायल शेरपा कुल्मी को स्ट्रेचर पर लाया गया।

4. कैंप तीन - यह ल्होत्से की पहाड़ियां के बीच में स्थित था। यहीं नायलान के कैंपों में लेखिका और उसके साथी सोए थे कि एक हिम खण्ड उनपर आ गया था।

5. कैंप चार - यह समुद्र तट से 7900 मीटर की ऊँचाई पर स्थित था। यहीं से साउथ कैंप और शिखर कैंप के लिए चढ़ाई की गई थी।

6. साउथ कोल कैंप - यहीं से अंतिम दिन की चढ़ाई शुरू हुई।

7. शिखर कैंप - यह पर्वत की सर्वोच्च चोटी से ठीक नीचे स्थित था। चोटी पर चढ़ने से पहले यहीं आराम करके चायपान किया गया।

Scanned by CamScanner

प्रश्न 1-

भाषा-अध्ययन

1- इस पाठ में प्रयुक्त निम्नलिखित शब्दों की व्याख्या पाठ का संदर्भ देकर कीजिए-

निहारा है, धसकना, खिसकना, सागरमाथा, जायज़ा लेना नौसिखिया।

1- निहारा है- गौर से देखा है-
लेखिका ने सर्वप्रथम नमचे बाजार से एवरेस्ट की चोटी को निहारा है।

2. धसकना - नीचे धस जाना-
एवरेस्ट अभियान में लेखिका ने देखा था कि खुंभु हिमपात पर जाने वाले अभियान दल के रास्ते में पहाड़ी धसक गई है।

3. खिसकना - हटना-
ल्होत्से की ओर से एक बहुत बड़ी बर्फ की चट्टान नीचे खिसक आई थी।

4. सागर-माथा - सागर का माथा (मस्तक)
एवरेस्ट की चोटी को नेपाली लोग सागरमाथा कहते हैं।

5. जायज़ा लेना - टोह लेना (अनुमान लगाना)
एवरेस्ट विजय अभियान के दौरान आने वाली कठिनाइयों का जायज़ा लिया जाता है।

6. नौसिखिया - नया सीखने वाला
तेनजिंग के सामने बचेंद्री पाल ने स्वयं को नौसिखिया पर्वतारोही कहा।

Scanned by CamScanner

प्रश्न 2. निम्नलिखित पंक्तियों में उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग कीजिए -

(क) उन्होंने कहा तुम एक पक्की पर्वतीय लड़की लगती हो तुम्हें तो शिखर पर पहले ही प्रयास में पहुँच जाना चाहिए

उत्तर- उन्होंने कहा, "तुम एक पक्की पर्वतीय लड़की लगती हो। तुम्हें तो शिखर पर पहले ही प्रयास में पहुँच जाना चाहिए।"

(ख) क्या तुम भयभीत थीं

उत्तर "क्या तुम भयभीत थीं?"

(ग) तुमने इतनी बड़ी जोखिम क्यों ली बचेंद्री

उत्तर "तुमने इतनी बड़ी जोखिम क्यों ली? बचेंद्री!"

- पाठ समाप्त -

Scanned by CamScanner

काव्य खण्ड
पाठ - 9

PAGE NO.: 11
DATE: / /

'रैदास'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) पहले पद में भगवान और भक्त की तुलना जिन-जिन चीजों से की गई है, उनका उल्लेख कीजिए।

उत्तर- पहले पद में भक्त और भगवान की तुलना चंदन-पानी, घन-मोर, चंद्र-चकोर, मोती-धागा, सोना-सुहागा आदि से की गई है क्योंकि कवि अपनी भक्ति के द्वारा प्रभु में रम जाने की इच्छा रखता है

(ख) पहले पद की प्रत्येक पंक्ति के अंत में तुकांत शब्दों के प्रयोग से नाद-सौंदर्य आ गया है जैसे पानी-समानी आदि इस पद में से अन्य तुकांत शब्द छाँट कर लिखिए -

उत्तर - जैसे - मोरा - चकोरा
धागा - सुहागा
बाती - राती
दासा - रैदासा आदि

(ग) पहले पद में कुछ शब्द अर्थ की दृष्टि से परस्पर संबद्ध हैं। ऐसे शब्दों को छाँटकर लिखिए-

उत्तर जैसे - दीपक - बाती
चंदन - पानी
मोती - धागा
घन - मोर
सोना - सुहागा आदि

Scanned by CamScanner

(घ) दूसरे पद में कवि ने 'गरीब निवाजु' किसे कहा है? स्पष्ट कीजिए -

उत्तर- इस पद में कवि ने गरीब निवाजु भगवान को कहा है क्योंकि भगवान ही अपने भक्तों पर कृपा करते हैं और उन्हें ऊँचा स्थान देते हैं जिन्हें सब नीचा समझते है उनका कल्याण करने वाले भगवान ही हैं।

(ङ) दूसरे पद में 'जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए-

उत्तर- इस पंक्ति का आशय यह है कि संसार मे जो लोग नीचा समझकर उनसे छुआछूत करते है। लेकिन ईश्वर उन्हीं लोगो पर कृपा करते है और उनका उद्धार करते है और उन्हे ऊँचा बनाते है. क्योकि भगवान उनसे बहुत प्रेम करते है।

(च) रैदास ने अपने स्वामी को किन-किन नामो से पुकारा है?

उत्तर- रैदास ने अपने स्वामी को गरीब निवाजु, लाल, गुसाँई गोविन्द, हरि आदि नाम से पुकारा है।

(छ) निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित रूप लिखिए -

मोरा - मोर
चंद - चाँद
बाती - बत्ती
जोति - ज्योति
बरै - जलना
राती - रात
छत्रु - मुकुट
धरै - रखना
छोति - छुआछूत
तुहीं - तुम्हीं
गुसईआ - रक्षा करने वाला

पाठ समाप्त

Scanned by CamScanner

संचयन

पाठ - 1

गिल्लू

बोध प्रश्न

प्रश्न - 1 सोनजुही में लगी पीली कली को देख लेखिका के मन में कौन से विचार उमड़ने लगे ?

उत्तर - सोनजुही में लगी पीली कली को देखकर लेखिका के मन में यह विचार आया कि गिल्लू सोनजुही के पास ही मिट्टी में दबाया गया था। इसलिए अब वह मिट्टी में विलीन हो गया होगा और उसे चौंकाने के लिए सोनजुही के पीले फूल के रूप में फूट आया होगा।

प्रश्न 2. लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था ?

उत्तर जब लेखिका लिखने बैठती तो गिल्लू उनका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए उनके पैरों पर आकर तेजी से पर्दे पर चढ़ जाता और उसी तेजी से उतर जाता। वह यह काम जब-तक करता रहता तब-तक लेखिका उसकी ओर नहीं देखती।

प्रश्न 3- गिलहरी के घायल बच्चे का उपचार किस प्रकार किया गया ?

उत्तर - लेखिका गिलहरी के घायल बच्चे को उठाकर कमरे में ले आई, रुई से उसके घाव को साफ कर पेंसिलिन का मरहम लगाया। रुई की बत्ती से बूंद-बूंद निचोड़कर उसे दूध पिलाया गया।

प्रश्न 4- गिल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता क्यों समझी गई और लेखिका ने उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किया ?

उत्तर- बाहर की गिलहरियाँ खिड़की की जाली के पास आकर चिक-चिक कर न जाने गिल्लू से क्या कहती थीं। गिल्लू ऐसी अवस्था में जाली के पास बैठकर अपनेपन से बाहर झाँकता रहता था। यह दृश्य देखकर लेखिका को अनुभव हुआ कि इसे अब मुक्त कर देना आवश्यक है। लेखिका ने कीलें निकालकर जाली का एक खोना खोल दिया और गिल्लू ने बाहर जाकर स्वतन्त्रता की साँस ली।

प्रश्न 5. गिल्लू किन अर्थों में परिचारिका की भूमिका निभा रहा था?

उत्तर- लेखिका जब बीमार थी तो गिल्लू उस समय तकिए पर सिरहाने बैठकर अपने नन्हें-नन्हें पंजों से लेखिका के सिर और बालों धीरे-धीरे सहलाता रहता था। उसके वहाँ से हट जाने पर लेखिका को ऐसा अनुभव होता था कि कोई परिचारिका सिर सहलाना छोड़कर हट गई हो। इसी अर्थ में गिल्लू परिचारिका की भूमिका निभा रहा था।

प्रश्न 6 गिल्लू की किन चेष्टाओं से यह आभास मिलने लगा था कि उसका अंत समय समीप है?

उत्तर- एक दिन गिल्लू ने दिनभर कुछ खाया न पिया, न बाहर गया। रात में वह अपने झूले से नीचे उतर कर लेखिका के पास उनके बिस्तर पर आया और उनकी उंगली से चिपक गया। उसके पंजे ठंडे हो रहे थे इससे लगने लगा था कि उसका अंत समय निकट है।

Scanned by CamScanner

प्रश्न 7. सोनजुही की लता के नीचे बनी गिल्लू की समाधि से लेखिका के मन में किस विश्वास का जन्म होता है ?

उत्तर- लेखिका को लगता है किसी बसंत ऋतु में जब सोनजुही की नन्ही कली खिलेगी तो वह नन्हा जीव उसके खिले फूलों के रूप में दोबारा जन्म लेकर आयेगा।

पाठ समाप्त

Scanned by CamScanner

व्याकरण

नुक्ता (़)

नुक्ता उर्दू भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ है बिन्दु (़) परन्तु यह बिन्दु अनुस्वार तथा अनुनासिक से अलग है। अनुस्वार तथा अनुनासिक का बिन्दु तो वर्ण की शिरोरेखा के ऊपर लगाया जाता है। और नुक्ता कुछ वर्णों के नीचे लगाया जाता है।

नुक्ता प्रयोग के कुछ उदाहरण - इज़राइल, रिलीज़, प्लेज़र, ज़ज आदि।

नुक्ता प्रायः 5 वर्णों में ही लगाया जाता है।
जैसे — क, ख, ग, ज, फ।

उदाहरण —

(क) कमज़ोर, ताक़ क़लम, क़ुरान, क़ैद, क़िला, क़यामत आदि।

(ख) ख़ुश, ख़ज़ाना, ख़राब, ख़ूबसूरत, ख़िदमत, ख़्याल, ख़ामोश, ख़ुदा, ख़राब, आदि

(ग) बाग़, ग़ुल, ग़ज़ल, दाग़, ग़म, बेग़म, ग़लत, ग़रीब, ग़ुलाम, बग़ीचा, ग़ालिब आदि

(फ) फ़रिश्ता, फ़कीर, फ़रमान, फ़ायदा, फ़र्क, फ़र्ज़, फ़ीकी, फ़लक आदि

(ज) ज़हर, ज़ंजीर, ज़माना, ज़ोर, ज़रूरत, ज़रदार, बाज़ार, मज़हब, मस्जिद आदि

Scanned with CamScanner

अनुनासिक

परिचय -

हिन्दी की प्रवृत्ति अनुनासिक है, इसके अधिकतर शब्दों, स्वरों का उच्चारण यानि नाक और मुँह से होता है। इसके उच्चारण में लघुता आती है।

परिभाषा - स्वरों का उच्चारण मुँह तथा नाक या दोनों से होता है, तब वह अनुनासिक कहलाते है।

उदाहरण - गाँव, छाँव, माँ, आँगन, आँख आदि

अनुस्वार

परिचय -

अनुस्वार किसी स्वर के बाद आने वाला व्यंजन है, जिसकी ध्वनि नाक से निकलती है। यह एक आयोगवाह ध्वनि है, अनुस्वार का उच्चारण नाक से होता है इसके उच्चारण में दीर्घता होती है तथा 'न' होता है।

परिभाषा - जब 'न' का उच्चारण स्वर की तरह नाक से हो तो उच्चारण अनुस्वार कहलाता है।

उदाहरण - रंग, पतंग, सुरंग, ढंग, गंगा आदि।

Scanned with CamScanner

PAGE NO.: 18
DATE: / /

अनुनासिक और अनुस्वार में अन्तर-

अनुनासिक और अनुस्वार के मध्य में आने पर इसके साथ चन्द्रबिन्दु (ँ) आता है अंत मे अथवा 'ओ' की मात्रा हो तो केवल (ं) की मात्रा हो जाती है। अनुस्वार सदैव स्वर के बाद आता है।

अनुनासिक	अनुस्वार
चाँद	चंदन
माँ	बंदर
पाँच	मंगल
गाँव	पंच
ऊँट	अंत
मुँह	दंत
दाँत	प्रसंग
ऊँचा	बंद
चाँदी	लंबा
बूँद	प्रपंच
हँसी	पंख
यहाँ	अंदर
वहाँ	संग
साँप आदि	गंगा आदि

Page No

लेखन कौशल

नोट - सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

प्रश्न1- निम्नलिखित विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए -

(क) लड़का - लड़की एक समान

संकेत बिन्दु - • ईश्वर की देन • भेदभाव के कारण • लोगों का दृष्टिकोण कैसे बदले।

(ख) ग्लोबल वार्मिंग -
संकेत बिन्दु • ग्लोबल वार्मिंग का अर्थ • कारण एवं दुष्परिणाम • बचाव के कारण।

प्रश्न2= (क) अपने जन्मदिन पर मित्र को बुलाने के लिए लगभग 80 से 100 शब्दों में पत्र लिखिए -

(ख) मित्र को गर्मी की छुट्टियों में अपने घर आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए।

प्रश्न 3(क) आप अपने विद्यालय में एन.सी.सी के छात्र प्रतिनिधि हैं। गणतंत्र दिवस समारोह की परेड में हिस्सा लेने के इच्छुक छात्रों हेतु सूचना 40-50 शब्दों में लिखिए।

(ख) अपनी बस्ती को स्वच्छ रखने हेतु कल्याण समिति के सचिव होने के नाते इससे संबंधित सूचना 40-50 शब्दों में लिखिए।

Scanned with CamScanner